प्रेस विज्ञप्ति सादर प्रकाशनार्थ

जैन संत समागम में तिरंगा फहराया

इंदौर 15 अगस्त। आज हर कोई कहता है अच्छे दिन आने वाले है, इसका मतलब हुआ कि हमारा वर्तमान ठीक नही है। भारतीयों को जापानियों से सीख लेना चाहिए। जहाँ के लोग एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलते है। जिस दिन हम भी हाथ पकड़कर चलने लगेंगे तो अच्छे दिन आ ही जायेंगे। वर्तमान में लोग चादर छोटी होने पर पैर लम्बे कर सो रहे है और रो रहे है। बबूल के बीज बोकर आम चाह रहे इसलिए भारत रो रहा है। आजाद हो गए यह महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि हम पराधीन क्यों हुए!

यह बात स्वाधीनता दिवस पर 15 अगस्त को इन्दौर स्थित महावीर बाग में गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज ने कही। वे यहां संत समागम के अवसर पर आयोजित सामूहिक प्रवचन में विशाल जैन समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

आचार्यश्री ने खरगोश ओर कछुए की कहानी के माध्यम से कहा कि किसी और को दुख देकर सुख की कल्पना करना उचित नहीं। कछुए और खरगोश ने जीत-हार से परे एक अलग दौड़ लगाई और दोनों ही जीते और वह मिसाल बन गई। समाज में कुछ लोग खरगोश कि भाँति छलांग लगा रहे हैं तो कुछ कछुए की भांति धीरे चल रहे हैं।

आज जिस प्रकार से जैन समाज एक छत के नीचे एकत्र हुआ अगर चातुर्मास ही इस तरह मनाएं तो कितना अच्छा हो! वर्तमान में देश में जातिवाद का जहरीला वातावरण है। ऐसी स्थिति में हमने अपने आपको नही सम्हाला तो फिर कभी नहीं सम्हल सकते। जैन समाज की शक्ति को समझो। समाज की चिंता करो उसे स्वार्थ के साथ मत चलाओ।

संत समागम में दिगंबराचार्य श्री अनेकांतसागरजी महाराज ने कहा कि बरसों की पराधीनता से तो आजादी मिल गई । सही आजादी तो जीवन में कषायों से स्वतंत्र होना है। जैन धर्म चर्चा का नहीं चर्या का विषय है। अनेकता में एकता ही भारत की विशेषता है।

इससे पूर्व सभा को तपागच्छीय मुनि सम्यकचन्द्रसागरजी एवं साध्वी विश्वज्योतिश्रीजी ने भी संबोधित किया।

सभा में स्थानकवासी संत श्री गौतममुनिजी ने कहा कि हम महावीर को तो मानते है लेकिन महावीर के बताए मार्ग व सिद्धान्त को नहीं अपनाते। उन्होंने नारी की स्वतंत्रता के बारे में कहा कि नारी स्वतंत्र रहे अच्छी बात है लेकिन स्वछंदता से नही। आज मंदिरों में भी स्वछंदता हावी है। पहले घर को ही जिनालय बना लो तो संस्कार कायम रहेंगे। सभा में तीन हजार से अधिक श्रावक-श्राविका वर्ग उपस्थित था।

गौरवशाली है खरतरगच्छ

इन्दौर 16 अगस्त। इन्दौर के महावीर बाग में चातुर्मास के दौरान श्रावण शुक्ला षष्ठी, दि. 16 अगस्त को पू. खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा- जिनशासन में खरतरगच्छ की परंपरा अलग से नहीं है। खरतरगच्छ परम्परा तो बरसों से चली आ रही है। समय व जरूरतों के अनुसार आचार्यों, गुरु भगवंतों द्वारा इसमें सुधार कर इसे आगे बढ़ाया है। खर से तात्पर्य खरा। तर से तात्पर्य खरों में खरे।

खरतरगच्छ सहस्राब्दी वर्ष पर्वोत्सव के अंतर्गत समाज के इतिहास को बताते हुए श्रावक श्राविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने गच्छ के प्रति समाजजनों में बहुमान होना चाहिए।

स्वाध्याय से ही बौद्धिक विकास संभव- इससे पूर्व आर्य श्री मेहुलप्रभसागरजी महाराज ने कहा- हम अपने अतीत के गौरव को समझे और पूर्व महापुरुषों की विरासत का योग्य उपयोग करते हुए मन, वचन और काया को पवित्र करने का प्रयास करें। हमें हमारे बौद्धिक विकास को बढ़ाने के लिए स्वाध्याय को अपनाना होगा। बौद्धिक विकास साहित्य से हो सकता है। बुद्धि के विकास से स्वयं, घर, परिवार तथा समाज व राष्ट्र उन्नति के शिखर पर आरोहण करता है। चातुर्मास में श्रावण शुक्ल की षष्ठी तिथि को खरतरगच्छ जैन समाज द्वारा खरतरगच्छ दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य आम समाज को खरतरगच्छ की जानकारी तथा उद्देश्यों से रूबरू कराना होता है। धर्मसभा में सैंकडों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर खरतरगच्छ के गौरव को सुनकर अपना ज्ञान वर्धन किया।हजारों की संख्या में श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे।

अ.भा. खरतरगच्छ प्रतिनिधि महासभा का सदस्यता अभियान जारी

-संतोष गोलेच्छा, महासचिव

खरतरगच्छ प्रतिनिधि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मोतीलालजी झाबक, मैं, सदस्य श्री सुरेशजी कांकरिया व श्री निर्मलजी मुणोत का एक प्रतिनिधि मण्डल ने गच्छीय साधु-साध्वीजी भगवंत, तीर्थ दर्शन तथा प्रतिनिधि महासभा के सदस्यता अभियान के लिए दिल्ली, जोधपुर, ओसियांजी, लोहावट, फलोदी, जैसलमेर, ब्रह्मसर, लोदरवा, अमरसर, बाड़मेर, बालोतरा, तथा चातुर्मास में संपन्न हो रही विभिन्न आराधना-साधना के लिए अनुमोदना प्रगट करने 20.08.18 से 26.08.18 तक यात्रा की।

प्रतिनिधि मण्डल ने अपनी यात्रा की शुरूआत दिल्ली के छोटी दादावाडी में बिराजित पू. साध्वी सौम्यगुणाश्रीजी म. आदि ठाणा-2 के दर्शन से की व सदस्यता हेतु चर्चा हुई। मौसम के कारण हम लोग तीन घंटा विलंब से पहुँचे इसलिये म.सा. ने लौटते समय आने का भाव रखने का कहा ताकि संघ व उनके पदाधिकारी व्याख्यान में उपस्थित रहते हैं, उनसे अनुरोध करने के लिए कहा गया।

दिल्ली के पश्चात प्रतिनिधि मण्डल 21.08.18 को सुबह जोधपुर के कम्युनिटी सेंटर में विराजित पू. साध्वी शुभदर्शनाश्रीजी म. आदि ठाणा-3 के व्याख्यान में उपस्थित हुए। पश्चात पू. म.सा एवं संघ के अध्यक्ष श्री भूरचंदजी जीरावला, सचिव राजेन्द्रजी भंसाली, सहसचिव विवेक भंसाली, सदस्य श्री दानमलजी जैन आदि से मुलाकात कर सदस्य बनने एवं अभियान को जोधपुर में शुरू करने का आग्रह किया।

जोधपुर से ओसियां तीर्थ एवं माजीसा के दर्शन कर लोटावट में विराजित पू. साध्वी श्रद्धान्विताश्रीजी म. आदि ठाणा-2 के दर्शन कर वहां चातुर्मास की व्यवस्था देख रहे श्री गौतमजी वैद आदि से मुलाकात कर फलोदी पहुंचे।

फलोदी के जैन न्याती नौहरा में विराजित बहिन म. पू. साध्वी विद्युत्प्रभाश्रीजी म. ठाणा-5 के चरणों में वंदना करते हुए सुखशाता पूछी। म.सा. ने प्रतिनिधि महासभा के गतिविधियों की जानकारी ली, एवं आगे के कार्यक्रम की रूपरेखा पर मार्गदर्शन किया। दिनांक 22.08.18 को व्याख्यान का लाभ लेकर संघ के अध्यक्ष श्री जवरीलालजी बच्छावत, श्री रवीन्द्रजी नाहटा, श्री रमेशजी गोलेच्छा, श्री प्रदीपजी बच्छावत, श्री रवीन्द्रजी बच्छावत सहित सकल संघ से प्रतिनिधि महासभा के सदस्य बनने का अनुरोध किया गया।

फलोदी से जैसलमेर, ब्रह्मसर, लोदरवा, अमरसर होते हुये रात्रि विश्राम कुशल वाटिका बाड़मेर में किया। दि. 23.08.18 को पू. मुनि श्री मनितप्रभसागरजी म. आदि ठाणा-4 के दर्शन-वंदन कर जिनवाणी का श्रवण किया तथा संघ के आगेवान श्री रतनलालजी संकलेचा, श्री मदनजी मालू, श्री बाबूलालजी बोथरा, श्री बाबूलालजी संकलेचा, श्री लूणकरणजी नाहटा, श्री सम्पतजी मालू से सदस्य बनाने पर चर्चा की एवं पू. मुनिश्री समयप्रभसागरजी म.सा को बड़ी तपस्या की साता पूछकर बाड़मेर नगर में ही विराजित पू. साध्वी सुरंजनाश्रीजी म. आदि ठाणा-7 का एवं अंचलगच्छ के आचार्य श्री कवीन्द्रसागरसूरिजी म. आदि ठाणा के दर्शन वंदन का लाभ लिया।

कुशल वाटिका में नव निर्माणाधीन श्री जिनकुशलसूरि गुरुदेव की 108फीट की विशाल दादावाडी, मूर्ति, म्यूजियम आदि कार्य का अवलोकन कर बालोतरा में विराजित पूज्या साध्वी नीलांजनाश्रीजी म. आदि ठाणा-3 के दर्शन कर रात्रि-विश्राम नाकोडा तीर्थ में किया।

24.08.18 को नाकोडा में वासक्षेप पूजा कर व्याख्यान के समय बालोतरा पहुंचकर जिनवाणी का लाभ लिया एवं वहां के अध्यक्ष श्री मदनजी चोपडा, श्री अमृतजी सिंघवी, श्री जितेन्द्रजी गोलेच्छा, श्री लालचंदजी आदि से भी चर्चा की गई। सभी ने प्रतिनिधि महासभा का सदस्यता अभियान में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया, एवं अधिक से अधिक सदस्य बनाकर भेजने का विश्वास दिया।

हमारे साथ फलोदी से बालोतरा तक नीमच निवासी श्री सुनीलजी गोपावत एवं श्री मनोजजी अपने परिवार सहित थे। बालोतरा से जोधपुर के श्री बाड़मेर जैन समाज में विराजित पू. साध्वी प्रियसौम्यांजनाश्रीजी म. आदि ठाणा-4 के दर्शन वंदन कर संघ के अध्यक्ष श्री वेदमलजी मालू, उपाध्यक्ष श्री शंकरलालजी बोहरा, सचिव श्री जसराजजी बोथरा, सहसचिव श्री प्रभुलालजी छाजेड, कोषाध्यक्ष श्री पुखराजजी सिंघवी से मुलाकात हुवी। सभी से प्रतिनिधि महासभा के सदस्य बनने का अनुरोध किया गया।

25.08.18 को पुनः दिल्ली स्थित छोटी दादावाडी में पू. साध्वी सौम्यगुणाश्रीजी म. आदि ठाणा के दर्शन कर व्याख्यान का लाभ किया एवं संघ के अध्यक्ष श्री जितेन्द्रजी राक्यान, श्री विरेन्द्रजी मेहता, केयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रतनजी बोथरा, दिल्ली केयुप अध्यक्ष श्री मनीषजी नाहटा, श्री प्रवीणजी चोरडिया, श्री प्रदीपजी नाहटा, श्री राकेशजी नाहटा, आदि से भी प्रतिनिधि महासभा के सदस्य बनाने पर चर्चा की गयी। पश्चात प्रतिनिधि महासभा के संस्थापक सदस्य श्री सम्पतराजजी बोथरा एवं श्रीमति सुमन हीरालालजी मुशर्रफ से भी मुलाकात की। आप दिल्ली के समाजिक कार्य में काफी सक्रिय है।

श्री अवन्ति पार्श्वनाथ के पूरे भारत में अट्ठम की साधना

मालव प्रदेश के उज्जैन नगर में स्थित अतिप्राचीन चमत्कारी श्री अवन्ति पार्श्वनाथ तीर्थ की प्रतिष्ठा ता. 18 फरवरी 2019 को संपन्न होने जा रही है।

मूलनायक परमात्मा श्री अवन्ति पार्श्वनाथ प्रभु का उत्थापन किये बिना इस तीर्थ का संपूर्ण जीर्णोद्धार किया गया। विशाल रंगमंडप देखते ही बनता है। जो भी श्रद्धालु दर्शन करता है, वह परम धन्यता का अनुभव करता है।

यह जीर्णोद्धार पूज्य गुरुदेव गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में उनकी प्रेरणा से संपन्न हो रहा है।

तीर्थ की प्रतिष्ठा पूज्यश्री की ही निश्रा में संपन्न होगी। श्री अवन्ति तीर्थ के कार्य को विशेष रूप से गति देने के लिये गत वर्ष पूजनीया माताजी म. श्री रतनमालाश्रीजी म. पू. बहिन म. डॉ. श्री विद्युत्प्रभाश्रीजी म. आदि ठाणा का ऐतिहासिक चातुर्मास उज्जैन नगर में संपन्न हुआ। उनके पावन मार्गदर्शन में प्रतिष्ठा महोत्सव के कार्य को प्रारंभ किया गया। प्रतिष्ठा महोत्सव समिति की रचना की गई। जिसके अन्तर्गत समिति के अध्यक्ष श्री पारसजी जैन उर्जामंत्री म.प्र.शासन को बनाया गया। समिति के संयोजक संघवी श्री कुशलराजजी गुलेच्छा को बनाया गया। श्री पुखराजजी चौपडा को उपाध्यक्ष बनाया गया।

इसी चातुर्मास में प्रतिष्ठा मुहूर्त्त उद्घोषणा का चढावा संपन्न हुआ। बीकानेर जाकर पूज्यश्री से शुभ मुहूर्त्त प्राप्त किया गया। श्री नाहर परिवार ने उद्घोषणा का लाभ लिया।

इस तीर्थ की प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में संपूर्ण भारत में श्री अवन्ति पार्श्वनाथ की आराधना के अट्ठम अर्थात् तेले करवाये गये। बाडमेर, बालोतरा, फलोदी, इन्दौर, उज्जैन, नागोर, छापीहेडा, रतलाम, कच्छ, गुजरात, महाराष्ट्र, खानदेश, तमिलनाडु, कर्णाटक, दिल्ली, राजस्थान आदि प्रान्तों में बडी संख्या में तेले हुए। लगभग 700 से अधिक अट्ठम तप की आराधना संपन्न हुई।

सभी तपस्वियों का अवन्ति तीर्थ की ओर से बहुमान किया गया।

सूरत में तपस्या की लहर

सूरत नगर में पूज्य गुरुदेव प्रज्ञापुरुष आचार्य भगवंत श्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य ब्रह्मसर तीर्थोद्धारक उपाध्याय भगवंत श्री मनोज्ञसागरजी म. एवं पू. मुनि श्री नयज्ञसागरजी म. तथा पू. साध्वी अनंतदर्शनाश्रीजी म. ठाणा 3 का चातुर्मास श्री बाडमेर जैन संघ, सूरत के तत्वावधान में कुशल दर्शन दादावाड़ी प्रांगण में ऐतिहासिक रूप से चल रहा है।

पूज्यश्री के प्रवचनों में भीड लगी रहती है। पूज्यश्री की प्रेरणा से मासक्षमण आदि विविध तप बडी संख्या में जारी है। पूज्यश्री की निश्रा में तपस्या की लहर चल रही है। जिसकी घोषणा दि. 31 अगस्त को गुरुदेव ने की। जिसमें श्री भरतकुमारजी पारसमलजी गोलेछा हाथीतला बाड़मेर के 33वां (51 की भावना), श्रीमती पिंकीदेवी अशोककुमारजी संकलेचा के 13 वां

(31 की भावना) और साध्वी विश्वदर्शनाश्रीजी म. के 13वां उपवास (31 की भावना) हैं। तीनों तपस्वी एक ही परिवार के हैं।

इसके अलावा 50दिवसीय पंच परमेष्ठी श्रेणि तप, आयम्बिल, उपवास, एकासना, सांकलिया तेला, रोजाना 5 बहनों को एक उपवास की श्रृंखला के अलावा और भी कई श्रद्धालुओं की बड़ी तपस्या चल रही हैं।

-चम्पालाल छाजेड़ सूरत

के-युप की सभी शाखाओं द्वारा
देशभर में रक्तदान का सामूहिक का आयोजन

अखिल भारत 15 अगस्त। परम पूज्य गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की प्रेरणा से संस्थापित अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् के-युप, अपनी स्थापना से ही समाज सेवा, जीवदया, साधु साध्वी वैयावच्च, विहार सेवा, ज्ञान वाटिका द्वारा संस्कार वर्धन, स्वाध्याय शिविरों द्वारा पर्युषण आराधना, वांचना शिविरों द्वारा ज्ञान सेवा आदि क्षेत्रों में निरन्तर अपना अवदान दे रहा है।

गच्छ के समस्त युवाओं को एक छत्र के नीचे लाकर क्रांति की अलख जगाने के लिए परम पूज्य खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से "के-युप की एक आवाज - सभी शाखाएं एक साथ" के आह्वान के साथ अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद् द्वारा खरतरगच्छ के गौरवशाली सहस्राब्दी पर्व (1000 वर्ष) एवं देश के 72वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15 अगस्त 2018 को देश भर में सामूहिक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। केयुप की बैंगलोर, चेन्नई, रायपुर, सूरत, सूरत शहर शाखा, सूरत -2 (पाल), अहमदाबाद, नीमच, हैदराबाद, बीकानेर, अक्कलकुआ, दुर्ग, खापर, फलोदी, इचलकरंजी, कोट्टुर, सेलंबा, नवसारी, धमतरी, बालोतरा, खेतिया, तिरुपुर सहित देशभर की 25 से भी अधिक शाखाओं में रक्तदान रूपी मानव सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

केयुप की विभिन्न शाखाओं द्वारा स्थानीय संघों के सहकार से वहां के स्थानीय अस्पताल एवं ब्लड बैंक के सहयोग से 1500 से भी अधिक युनिट रक्त एकत्रित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। जिसमें खेतिया शाखा ने सबसे अधिक 161 यूनिट रक्त एकत्रित कर रिकॉर्ड कायम किया।

परम उपकारी गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के उद्देश्य से केयुप की सभी शाखाओं द्वारा किया गया यह सामूहिक प्रयास निश्चित ही सराहनीय है। समस्त रक्तदाताओं, सभी दानदाताओं, समस्त शाखाओं, सभी सदस्यों की भूरी भूरी अनुमोदना...

-धनपत कानुंगो
अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद्
राष्ट्रीय संयोजक (प्रचार प्रसार)

मुंबई में हुआ दादा गुरुदेव का महापूजन

मुंबई 15 अगस्त। मुंबई के कपोलवाड़ी के प्रांगण में श्री जैन श्वे. खरतरगच्छ संघ मुंबई के तत्वावधान में श्री मणिधारी युवा परिषद् मुंबई द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 15 अगस्त को महाचमत्कारी दादा गुरुदेव के महापूजन का आयोजन किया गया।

गच्छ गणिनी गुरुवर्या श्री सुलोचनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा एवं साध्वी हेमप्रज्ञाश्रीजी म. आदि ठाणा की पावनकारी निश्रा में आयोजित इस महापूजन में सेंकडों गुरुभक्तों ने लाभ लिया। 54 जोड़ों के साथ महापूजन का विधिविधान कुलदीपभाई ने करवाया।

मुख्य पीठिका का लाभ सांचोर निवासी श्रीमान जीवराजजी उकचंदजी श्रीश्रीश्रीमाल परिवार ने लिया। सभी जोड़ों के चांदी की दादा गुरुदेव के पगलिया युक्त सुंदर मुद्रा प्रदान की गयी।

पूज्य गुरुवर्याजी के मुखारविंद से मंत्रोच्चार युक्त गुरुदेव पूजन से सभी जन मानस भाव विभोर हो गये। कार्यक्रम के पश्चात स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया जिसका लाभ केशवना निवासी श्रीमती आशादेवी सुमेरमलजी श्रीश्रीमाल परिवार ने लिया। सभी लाभार्थी परिवारों का बहुमान करते हुए परिषद् के अध्यक्ष पवनराज श्रीश्रीश्रीमाल ने सभी महानुभावों का आभार प्रकट किया।

-धनपत कानुंगो, मुंबई

बाड़मेर में बह रही ज्ञानगंगा-धारा

बाड़मेर। पू. खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरिजी महाराज साहब के शिष्यरत्न पूज्य विपुल साहित्यसर्जक मुनिराज श्री मनितप्रभसागरजी म., तपस्वी मुनि श्री समयप्रभसागरजी म., मुनि श्री विरक्तप्रभसागरजी म. एवं मुनि श्री

श्रेयांसप्रभसागरजी म. का बाड़मेर नगर में भव्यातिभव्य चातुर्मास गतिमान है। चातुर्मासिक प्रवचनों में नित्य ही विशाल जनसमूह के रूप मंे लगभग 1300 लोग उपस्थित रहते हैं।

पू. मुनि भगवंत की निश्रा में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें पुणिया श्रावक की सामायिक, खरतरगच्छ उत्पत्ति, नेमिनाथ दीक्षा कल्याणक महोत्सव किये गये। पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक के अवसर पर पार्श्वनाथ तीर्थ भावयात्रा, 22 परिषहों की संगीतमय विवेचना इत्यादि, 18 पाप स्थानक आलोचना, अनेक विषयों पर प्रवचन चले। रविवार को होने वाले प्रवचनों में लगभग 2000 की तादाद में लोग उपस्थित हो रहे हैं।

रोज सुबह 6.30 से 7.00 बजे तक जैन जीवन शैली की कक्षा भी निरंतर गतिमान है। तपस्या का अनोखा ठाठ लगा हुआ है। सिद्धितप, श्रेणीतप, गणधर तप, सांकली, अट्ठम, सांकली एकासना इत्यादि तपस्याओं का सुन्दर माहौल बना हुआ है। गणधर तप में 170 आराधक, सिद्धि तप के 10, श्रेणि तप में 10 आराधक जुड़े है। विपुल बोथरा, सचिन मालू, अभिषेक धारीवाल, हिमानी भंसाली, मुस्कान वड़ेरा, के 8, 9, 19, 16 उपवास की तपस्या सम्पन्न हुई।

इसमें भी सबसे विशिष्ट बाड़मेर के रत्न तपस्वी मुनि श्री समयप्रभसागरजी म. के 11 उपवास की तपस्या शातापुर्वक सम्पन्न हुई। उनके पारणे का लाभ सामायिक एवं नवकारवाली में बोला गया जिसके दोनों लाभ श्रीमती चन्द्रादेवी बाबुलालजी बोहरा ने लिये।

19 अगस्त को 4 घण्टे तक चले कल्याण मंदिर महापूजन में 170 जोड़ो ने पूजन किया। 17-18-19 अगस्त को अवन्ति पार्श्वनाथ के सामूहिक तेले हुए जिसमें 108 लोगों ने तेला का तप किया। दोपहर में भी तत्त्वज्ञान की कक्षा चल रही है।

नूतन साहित्य प्रकाशन

विपुल साहित्य सर्जक मुनिवर श्री मनितप्रभसागरजी म. की लेखन यात्रा स्वाध्याय-प्रेमियों और साहित्य-भण्डारों को निरन्तर समृद्ध बना रही है। उनके द्वारा लिखित वीतराग स्तोत्र का विवेचन पठनीय है। कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचार्य भगवंत द्वारा लिखित संस्कृत काव्य वीतराग स्तोत्र वह पाठ है, जिसका स्वाध्याय किये बिना सम्राट् कुमारपाल मुँह में पानी नहीं डालते थे।

अतिशय, दर्शन, भक्ति, भावना आदि विषयों से परिपूर्ण वीतराग स्तोत्र पर हिन्दी में विवेचन का कार्य मुनिश्री द्वारा किया गया है। इसमें खरतरगच्छीय श्री प्रभानंदसूरि द्वारा लिखित वृत्ति का भी उपयोग किया गया है। वीतराग स्तोत्र की हिन्दी विवेचना दो भागों में प्रकाशित हुई है। दोनों भागों में दस-दस प्रकाशों की मधुर, रसपूर्ण एवं प्रवाहमयी विवेचना अरिहंत परमात्मा के गुणों के प्रति समर्पित बनाती है।

इनके साथ क्षमाश्रमण महावीर के जीवन पर आलेखित नया प्रकाशन भी पठनीय है! ये पुस्तकें जहाज मंदिर-कार्यालय पर उपलब्ध है!

फलोदी में तपस्या

फलोदी 11 अगस्त। आगम ज्योति पू. प्रवर्तनी श्री प्रमोदश्रीजी म. की सुशिष्या बहिन म. साध्वी श्री डॉ. विद्युत्प्रभाश्रीजी म.सा. की निश्रा में साध्वी डॉ. विज्ञांजनाश्रीजी म. की अट्ठाई की तपश्चर्या का पारणा सानंद सम्पन्न हुआ।

साध्वीजी एवं अ.सौ. श्रीमती सीमा रवीन्द्र बच्छावत के 16 उपवास, श्रीमती सुनीता प्रदीप बच्छावत, श्रीमती आरती मनोज बच्छावत तथा कुमारी प्रिया हेमचन्द बच्छावत की अट्ठाई के उपलक्ष्य में निर्मलाबाई रतनचन्दजी बच्छावत परिवार की ओर से 11 अगस्त को वरघोडे का भव्य आयोजन किया गया।

तपस्वी परिवार के निवास स्थान से प्रारंभ हुआ जुलूस प्रमुख मंदिरों के दर्शन करता हुआ पुनः ओसवाल न्याती नोहरे मंे पहुंचा! न्याती नोहरे में तपस्वी बहनों का परिजनों एवं संघ के द्वारा भव्य सम्मान किया गया। दर्शकों की आँखों में प्रसन्नता का भीगापन छलक उठा जब गुरुवर्याश्री बहिन म. ने पाट से उतरकर अपनी शिष्या विज्ञांजनाश्री को कामली ओढाकर अभिनंदन करते हुए वात्सल्य से भरकर गले लगा लिया। तपस्या के उपलक्ष्य में निर्मला देवी रतनचन्दजी बच्छावत परिवार की ओर से नवकारसी का आयोजन किया गया।

स्मरण रहे संपूर्ण चातुर्मास का लाभ साध्वीजी श्री विज्ञांजनाश्रीजी म. के सांसारिक माताजी निर्मलादेवी रतनचन्दजी बच्छावत ने प्राप्त किया है।

खरतरगच्छ का उदभव कैसे हुआ, नाटिका का हुआ आयोजन

अंजार (कच्छ) 21 अगस्त। गुजरात के कच्छ की अंजार नगरी में सर्व प्रथम बार श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के तत्वावधान में खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री

जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी चम्पामण्डल प्रमुखा पू. गणिनीप्रवरा मारवाड़ ज्योति श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म., पू. साध्वी हर्षप्रज्ञाश्रीजी म., अंजार-गौरव पू. साध्वीरत्ना नयनंदिताश्रीजी म. आदि ठाणा 7 की पावन निश्रा में खरतरगच्छ का उद्भव कैसे हुआ! आदि अनेक घटनाओं पर आधारित भव्य नाटिका शानदार तौर पर देखने सिर्फ अंजार के ही नहीं बाहर गाँव से भी पधारे!

इस नाटिका में संघ के छोटे, बड़े महिलाओं पुरुष, छोटे-छोटे बालक-बालिकाओं ने मिलकर घटनाओं को साक्षात्कार का रूप दिया! मुमुक्षु शुभम लुंकड़ ने जिनेश्वरसूरि का भावात्मक किरदार करते हुए गुरुदेव (सोमचन्द्र) के संयम ग्रहण पर नृत्य करके शुभम ने संयम के भावों में बहाया! जन मेदिनी ने जय-जयकार के नारे गुंजाये! सबका प्रदर्शन बहुत शानदार रहा!

गणिनी प्रवरा सूर्यप्रभाश्रीजी म. की सुशिष्या अंजार-गौरव पूज्या साध्वी नयनंदिताश्रीजी म. का सिद्धि तप चल रहा हैं। ख़ूब ख़ूब साता पूछते है। पारणा 20.09.2018 को होगा। आप सभी गुरुभक्त पधार कर जिन शासन की शोभा बढ़ावे।

भुज में आयंबिल ओली तप निमित्ते महोत्सव

भुज (कच्छ) 25-27 अगस्त। भुज नगरी में खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी चंपाकली सूर्यरश्मि पू. स्नेहसुरभि पूर्णप्रभाश्रीजी म., पू. साध्वी मधुरिमाश्रीजी म. आदि ठाणा 6 की शुभ निश्रा में ता. 25.08 को पू. स्नेह सुरभि पूर्णप्रभाश्रीजी म. का 31वीं वर्धमान तप आयंबिल ओली तप निमित्ते जिनदत्त-कुशल महिला मंडल एवं बहु मंडल की तरफ से सांझी रखी गई! यह चातुर्मास जयानंद आराधना भवन जैन दादावाड़ी भुज में श्री भुज खरतरगच्छ जैन संघ के तत्वावधान में हो रहा है।

ता. 26.08.2018 को भुज दादावाड़ी से श्रीसंघ के साथ बाजे-गाजे से श्रीमती सरस्वतीदेवी श्री माणकचंदजी गांधी महेता के निवास स्थान पर पू. गुरूवर्याजी के पगलिया रखा गया ! वहां पर नवकारसी हुई। पूज्या गुरूवर्याजी का मंगलकारी प्रवचन हुआ! इसी बीच गांधी महेता परिवार द्वारा भुज खरतरगच्छ ट्रस्ट मंडल, जिनदत्त कुशल महिला मंडल, बहु मंडल एवं बाहर गांव से पधारे बाबुलालजी भंसाली मुम्बई, रतनलालजी जीरावला पूना,

भरतभाई छाजेड़ नवसारी एवं मुमुक्षु शुभम लुंकड़, डिम्पल जैन और गुरुभक्त प्रकाश चौहान का बहुमान किया गया!

ता. 27.08.2018 को गुरुवर्याजी के 31वीं ओली तप निमित्ते रीटाबेन, रजनीभाई पटवा परिवार की तरफ से भव्य स्नात्र महोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ! 14 सपने माता को नृत्य द्वारा दिखाई गये! इस प्रसंग पर शासन माता को छप्पन भोग चढ़ाने के लिए शासन माता का थाल बहनों की प्रतियोगिता हुई!

इसी प्रंसग पर रजनीभाई रीटाबेन ने गुरुवर्याजी एवं श्रीसंघ की साक्षी से चतुर्थव्रत ग्रहण किया! ट्रस्ट मंडल, युवा मंडल, महिला मंडल बहु मंडल एवं आशीष भाई एवं पार्टी का महोत्सव में सहयोग रहा।

-प्रकाश चौहान

नंदुरबार नगर में चातुर्मास निमित्त कार्यक्रम संपन्न

श्री चम्पा बालिका मंडल द्वारा 'माँ की ममता हमें पुकारे' नाटिका प्रस्तुत की गयी

नंदुरबार 12 अगस्त। महत्तरा पदविभूषिता पू. श्री चंपाश्रीजी म. एवं पू. साध्वी श्री जितेंद्रश्रीजी म. की सुशिष्या धवलयशस्वी पू. साध्वी विमलप्रभाश्रीजी म., पू. साध्वी हेमरत्नाश्रीजी म., पू. साध्वी जयरत्नाश्रीजी म., पू. साध्वी रश्मिरेखाश्रीजी म., पू. साध्वी चारुलताश्रीजी म., पू. साध्वी नूतनप्रियाश्रीजी म., पू. साध्वी चारित्रप्रियाश्रीजी म. ठाणा 7 की पावन निश्रा में नंदुरबार नगर में चातुर्मास बड़े हर्ष उल्लास से चल रहा है। इस निमित्त अनेक धार्मिक कार्यक्रम, अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। हाल ही में 12 अगस्त को माँ की ममता हमें पुकारे.. जिसमें सौतेली माता पर आधारित एक सुंदर नाटिका श्री चंपा बालिका मंडल की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत की गयी। जिसमें सगी माँ के मर जाने के बाद जब सौतेली माँ घर में आती है और बच्चों के साथ सौतेलेपन के व्यवहार पर आधारित इस नाटिका को जिस-जिस ने यह नाटिका देखी वह अपने आंसुओं को छुपा नहीं पाए। अंत में सगी माँ के दिये धार्मिक संस्कारों की वजह से सौतेली माँ का भी मन परिवर्तन हो जाता है।

यह नाटिका पू. साध्वी विमलप्रभाश्रीजी म. की सुशिष्या पू. साध्वी नूतनप्रियाश्रीजी म. द्वारा लिखी गयी। इस नाटिका में दिव्या कोचर, हितेश्री छाजेड, काजल बाफना, सिमरन बाफना, मोक्षा श्रीश्रीमाल, हर्षा श्रीश्रीमाल, कामना जैन, मोहित जीरावला सह 20-25 नन्हीं-नन्हीं बालिकाओं ने अहम भूमिका निभाते हुए कार्यक्रम सफल बनाया। कार्यक्रम में शुभम

भंसाली और सौ. दीपा बच्छावत ने अपने भाव व्यक्त किये। कार्यक्रम का मंच संचालन शिवानी छाजेड द्वारा किया गया। इस नाटिका से पूर्व प्रतिक्रमण की भाव यात्रा हुई जिसमें प्रतिक्रमण का महत्व आदि बताया गया।

15 अगस्त को खरतरगच्छ दिवस निमित्त दादा गुरुदेव के जीवन पर आधारित प्रस्तुति दिखाई गयी। साथ ही इस चातुर्मास में पूज्या गुरुवर्याश्रीजी के सानिध्य में अनेक धार्मिक तप-आराधना चल रही हैं. जिसमें प्रतिदिन प्रवचन, प्रतिक्रमण, ज्ञातासूत्र एवं मंजुला चरित्र का वांचन, शिबिर के माध्यम से बच्चों एवं महिलाओं का धार्मिक अध्ययन, समेदशिखर तप, अट्ठाई, मासक्षमण, आयंबिल, ओली, अट्ठम तप जैसे अनेक तप की आराधना चल रही है। सभी कार्यक्रम श्री सकल जैन श्रीसंघ नंदुरबार द्वारा आयोजित किये जा रहे है।

-शुभम भंसाली

डोंबीवली में उल्लास का वातावरण

डोंबीवली 15 अगस्त। पूज्या साध्वी डॉ प्रियश्रद्धांजनाश्री जी म., साध्वी प्रियश्रेष्ठांजनाश्रीजी म., साध्वी प्रियशैलांजनाश्रीजी म. की निश्रा में डोंबीवली में अष्टप्रातिहार्य सहित परमातमा का महापूजन का आयोजन धुमधाम से हुआ।

15 अगस्त को नेमिनाथ परमात्मा के जीवन पर प्रतियोगिता रखी गई । महिला शिविर प्रति शनिवार एवं प्रति रविवार बच्चों के एकासने एवं शिविर होता है।

शहादा में तप-कीर्तिमान

शहादा 26 अगस्त। शहादा नगरी के सुघोषाघंट मंदिर परिसर में खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी चम्पामण्डल प्रमुखा पू. गणिनीप्रवरा मारवाड़ ज्योति सूर्यप्रभाश्रीजी म., पू. साध्वी पूर्णप्रभाश्रीजी म. की शिष्या पू. साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी म. आदि ठाणा 5 के सानिध्य में चातुर्मास अंतर्गत तप की बहार चल रही है। श्री राहुल कुमार गौतमचंदजी लुणिया एवं श्री मदनलालजी रानुलालजी कोचर की पुत्रवधू श्रीमती सीमा जितेन्द्र कोचर के मासक्षमण की तपस्या संपन्न हुई। तप अनुमोदनार्थ प्रवचन एवं पच्चखान करवाये गये।

सिद्धितप के तपस्वी सौ. उषाबाई विजयकुमारजी लुणिया, सौ. चन्द्रिका जयन्तिलालजी सेठिया, सौ. अंजलीबाई कांतिलालजी लुणिया, सौ. प्रीति प्रवीणजी लुणिया, कुमारी एकता महावीरजी कोचर, कुमारी जागृति जयंतिलालजी सेठिया ने महान तपाराधन कर जीवन सफल किया।

साथ सम्मेतशिखर तप में 45 से अधिक तपस्वियों ने जुडकर तप धर्म की आराधना की।

तप के उपलक्ष में सांझी, स्वामी वात्सल्य आदि विविध आयोजन किये गए।

ज्ञानवाटिका बीकानेर का वार्षिक महोत्सव

बीकानेर 13 अगस्त। बीकानेर के महावीर भवन के विशाल हॉल में ज्ञानवाटिका का वार्षिक महोत्सव रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। आयोजन स्थल को इतना सुंदर सजाया और समस्त मंच संचालन ज्ञानवाटिका के बच्चों द्वारा किया गया। उक्त आयोजन में अगर कोई नहीं देख पाया तो वह बच्चों के द्वारा आयोजित इतने सुंदर कार्यक्रम को देखने से चूक गया।

केयुप अध्यक्ष श्री राजीव खजांची ने ज्ञानवाटिका संभालने वाले केयुप के सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद के साथ आभार व्यक्त किया। वे अपना अमूल्य समय जो कि धन देने से ऊपर का सहयोग है, आप सभी एक बार उन कार्यकर्ताओं को थम्सअप जरूर करे।

आने वाली खरतरगच्छ की भावी पीढ़ी को तैयार करने वाली केयुप टीम को बधाई। आप थम्स अप करें ना करे पर मन से सहयोग की भावना जरूर रखे।

निवेदन

पूज्य गुरुदेव खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. के द्वारा सूरिमंत्र की तृतीय पीठिका की साधना दि. 4 अक्टुबर से 28 अक्टुबर तक होगी।

साधना के दौरान दर्शन-वार्ता आदि संभव नहीं होंगे।

महामांगलिक दि. 28 अक्टुबर को होगी। महामांगलिक में सभी अवश्य पधारें।

तपस्वी मुनि वैराग्यसागरजी म. का स्वर्गवास

रायपुर 16 अगस्त। पूज्य मुनिराज श्री महेन्द्रसागरजी म.सा. के शिष्य मुनि श्री मनीषसागरजी म. के शिष्य रत्न पूज्य तपस्वी मुनि श्री वैराग्यसागरजी म. का समाधि पूर्वक दि. 16 अगस्त 2018 को रायपुर छ.ग. में स्वर्गवास हो गया। पिछले दिनों उनका स्वास्थ्य अस्वस्थ था। उन्हें केंसर हुआ था। अपार पीडा में भी वे आत्म समाधि में रहे। परमात्मा की भक्ति के स्तवन और आत्म बोध के भजन श्रवण करते-करते उन्होंने सद्गति प्राप्त की। उनकी समता साधना अनुमोदनीय थी।

उनका जन्म 28 दिसम्बर 1951 पौष वदि अमावस्या को महाराष्ट्र के गोंदिया नगर में हुआ था। उन्होंने 54 वर्ष की उम्र में भद्रावती तीर्थ में भागवती दीक्षा ग्रहण की थी।

उनका अग्निसंस्कार कैवल्यधाम में किया गया।

जहाज मंदिर परिवार अपनी हार्दिक श्रद्धांजली अर्पण करता है।

-जहाज मंदिर कार्यालय